चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-1-26	3	2-6

• हकृवि में राष्ट्रीय एसो. ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेव-2025 शुरू

देश के विवि, कॉलेजों व संस्थानों के 200 प्रतिभागी पहुंचे

भास्कर न्यूज़ | हिसार

मुख्य अतिथि प्रो. इन्द्र मणी पुस्तिका का विमोचन करते हुए

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के नेहरू पुस्तकालय की ओर से एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से कोलैबरेटिव इंटेलिजेंसः बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी (महाराष्ट्र) के कुलपति प्रो. इन्द्र मणी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन प्रोफेशनल्स के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक व मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह तथा के सचिव डॉ. राज कुमार भी मंचासीन रहे। कॉन्क्लेव में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थानों से आए करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी, आईटी और उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। मुख्य अतिथि प्रो. इन्द्र मणी ने कहा कि विद्या का स्वरूप बदल चुका है। सच्ची विद्या वही है जो विनम्रता सिखाए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने कार्यों से पहचाना जाता है, नाम से नहीं। विद्या ज्ञान बांटने, धन दान करने और शक्ति को अच्छे कार्यों में लगाने के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में पुस्तकालय अब केवल सूचना भंडार नहीं, बल्कि ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र बन चुके हैं। डॉ. आरपी कुमार ने कहा कि पुस्तकालय समाज की बौद्धिक रीढ़ हैं और ज्ञान निर्माण व सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सुखदेव सिंह ने प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया, डेटा एनालिटिक्स, एआई और ह्यूमन इंटेलिजेंस के संदर्भ में पुस्तकालयों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वहीं डॉ. राज कुमार ने आधुनिक तकनीकों से पुस्तकालय सेवाओं को सशक्त बनाने पर विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र में कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग, कॉन्फ्रेंस स्मारिका और एएसएलआईपी कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के. पटेरिया ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. सीमा परमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा, जबकि मंच संचालन डॉ. कनिका रानी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-1-26	3	1-5

विद्या, धन और ताकत का सकारात्मक इस्तेमाल जरूरी : प्रो . इन्द्रमणी

- हरियाणा कृषि विवि में दो दिवसीय एएसएलआइपी कान्क्लेव शुरू
- आप विनम्र नहीं हैं तो आप विद्वान हो सकते हैं, विद्यावान नहीं

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन आफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से कोलब्रेटिव इंटेलिजेंस : बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज़ टुगेदर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआइपी कान्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। कान्क्लेव के उद्घाटन सत्र के दौरान वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ परभणी महाराष्ट्र के कुलपति प्रो इन्द्रमणी बतौर मुख्य अंतिथि उपस्थित हुए। कान्क्लेव में एएसएलआइपी के अध्यक्ष डा. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डा. सुखदेव सिंह व एएसएलआइपी के सचिव डा. राज कुमार उपस्थित रहे। कान्क्लेव में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग लैं रहे हैं।

मुख्य अतिथि प्रो . इन्द्र मणी पुस्तिका का विमोचन करते हुए • जागरण

प्रो. इन्द्र मणी ने कहा कि विद्या का स्वरूप बदल गया है। जो भारतीय स्वरूप विद्या का है, वही सही विद्या है। विद्या विनम्रता देती है, अगर आप विनम्र नहीं है तो आप विद्वान हो सकते हैं विद्यावान नहीं। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपने जीवन में काम से जाना जाता हैं, नाम से नहीं। व्यक्ति में तीन तरह की समर्थता होती है जिनमें विद्या, धन और ताकत शामिल हैं। व्यक्ति को विद्या ज्ञान बांटने के लिए, धन दान करने के लिए तथा ताकत अच्छे कार्यों पर लगानी चाहिए। वर्तमान डिजिटल युग में पुस्तकालय केवल सूचना के भंडार नहीं बल्कि ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र बनते जा रहे हैं। स्मार्ट पुस्तकालयों के निर्माण के लिए सहयोगात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय अब केवल पुस्तकालयों के संग्रह तक सीमित नहीं रहें हैं बल्कि वे ज्ञान, सूचना, शोध और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित हो चुके हैं।

पुस्तकालय समाज की बौद्धिक रीढ़ : डा. आरपी कुमार

डा . आरपी कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय समाज की बौद्धिक रीढ़ है। वे केवल जानकारी प्रदान नहीं करते, बल्कि ज्ञान के निर्माण, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। बदलते समय के साथ पुस्तकालयों का स्वरूप भले ही बदल रहा हो, लेकिन उनका महत्व और उद्देश्य पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। डा . सुखदेव सिंह ने प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया, डेटा एनालिसिस, एआइ, ह्यूमन इंटेलिजेंस सहित पुस्तकालयों के महत्व और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-1-26	5	1-5

पुस्तकालय महज सूचना के भंडार नहीं, ज्ञान और नवाचार के भी केंद्र

एचएयू के नेहरू पुस्तकालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव का शुभारंभ

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। स्मार्ट पुस्तकालयों के निर्माण में सहयोगात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका अहम होती है। डिजिटल युग में पुस्तकालय केवल सूचना के भंडार नहीं रहे, बल्कि वे ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र के रूप में विकसित हो चुके हैं। यह विचार वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी (महाराष्ट्र) के कुलपति प्रो. इंद्र मणी ने व्यक्त किए।

प्रो. इंद्र मणी वीरवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के नेहरू पुस्तकालय की ओर से एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन प्रोफेशनल्स (एएसएलआईपी) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कॉन्क्लेव का विषय "कोलैब्रेटिव इंटेलिजेंसः बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर" रखा गया है।

उन्होंने कहा कि विद्या का स्वरूप बदल गया है। भारतीय दृष्टि से विद्या वही है जो विनम्रता सिखाए। यदि व्यक्ति में विनम्रता नहीं है तो वह विद्वान तो हो सकता है, लेकिन विद्यावान नहीं। मनुष्य की पहचान उसके कार्यों से होती है, नाम से नहीं। व्यक्ति के पास तीन प्रकार की सामर्थ्य होती है–विद्या, धन और ताकत। विद्या का उपयोग ज्ञान बांटने, धन का उपयोग दान के लिए और ताकत का उपयोग अच्छे कार्यों में होना चाहिए।

कॉन्क्लेव में पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि प्रो. इंद्र मणी व अन्य। स्रोत : संस्थान

कॉन्क्लेव में एएसएलआईपी के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह तथा एएसएलआईपी के सचिव डॉ. राज कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कॉन्क्लेव में देशभर के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों व संस्थानों से लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी तथा आईटी व उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं।

एएसएलआईपी अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय समाज की बौद्धिक रीढ़ हैं। वे केवल सूचना प्रदान नहीं करते, बल्कि ज्ञान निर्माण, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। समय के साथ पुस्तकालयों का स्वरूप बदला है, लेकिन उनका महत्व और उद्देश्य और अधिक बढ़ा है। इस अवसर पर पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह, कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुस्तकालय को अधिक प्रभावी बनाने पर दिया जोर

मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह ने प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के संदर्भ में पुस्तकालयों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. राज कुमार ने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने पर अपने विचार रखे। उद्घाटन सत्र में कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग, कॉन्फ्रेंस स्मारिका और एएसएलआईपी कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के. पटेरिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. सीमा परमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा, जबकि मंच संचालन डॉ. कनिका रानी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	9-1-26	12	5-8

हकृवि में दो दिवसीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव शुरू

पुस्तकालय ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र

देश भर के विभिन्न संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे

हिसार। पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि प्रो. इन्द्र मणी व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की ओर से एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंसः बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव के उदघाटन सत्र के दौरान वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, महाराष्ट्र के कुलपति प्रो. इन्द्र मणी मुख्य अतिथि रहे। कॉन्क्लेव में एएसएलआईपी के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह व एएसएलआईपी के सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी, आईटी एवं उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं।

प्रो. इन्द्र मणी ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में पुस्तकालय केवल सूचना के भण्डार नहीं बल्कि ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र बनते जा रहे हैं। स्मार्ट पुस्तकालयों के निर्माण के लिए सहयोगात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। पुस्तकालय अब केवल पुस्तकालयों के संग्रह तक सीमित नहीं रहें हैं।

स्मारिका तथा एएसएलआईपी कैलेंडर का विमोचन

कॉन्क्लेव में हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सीमा परमार ने कार्यक्रम में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि डॉ. कनिका रानी ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-1-26	5	1

हकृवि में ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव शुरू

हिसार, 8 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंस: बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव के उदघाटन सत्र के दौरान वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, महाराष्ट्र के कुलपति प्रो इन्द्र मणी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह व ए.एस.एल.आई.पी. के सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

कॉन्क्लेव को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	08.01.2026	--	--

विद्या, धन और ताकत का सकारात्मक इस्तेमाल जरूरी : प्रो. इन्द्र मणी

- हकृवि में दो दिवसीय ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव शुरू

तनिश महता/हिसार टुडे
हिसार, 8 जनवरी 2026

कॉन्क्लेव को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलबेटिव इंटेलिजेंस: बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ए.एस.एल. आई.पी. कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव के उदघाटन सत्र के दौरान वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, महाराष्ट्र के कुलपति प्रो इन्द्र मणी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह व ए.एस.एल.आई.पी. के सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी, आईटी एवं उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं।

प्रो. इन्द्र मणी ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्या का स्वरूप बदल गया है। जो भारतीय स्वरूप विद्या का है, वही सही विद्या है। विद्या विनम्रता देती है, अगर आप विनम्र नहीं है तो आप विद्वान हो सकते हैं विद्यावान नहीं। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपने जीवन में अपने काम से जाना जाता हैं, नाम से नहीं। व्यक्ति में तीन तरह की समर्थता होती है जिनमें विद्या, धन और ताकत शामिल हैं। व्यक्ति को विद्या ज्ञान बांटने के लिए, धन दान करने के लिए तथा ताकत अच्छे कार्यों पर लगानी चाहिए। वर्तमान डिजिटल युग में पुस्तकालय केवल सूचना के भण्डार नहीं बल्कि ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र बनते जा रहे हैं। स्मार्ट पुस्तकालयों के निर्माण के लिए सहयोगात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय अब केवल पुस्तकालयों के संग्रह तक सीमित नहीं रहे हैं बल्कि वे ज्ञान, सूचना,शोध और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित हो चुके हैं। समाज के बौद्धिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास में पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ. आरपी कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय समाज की बौद्धिक रीढ़ है। वे केवल जानकारी प्रदान नहीं करते, बल्कि ज्ञान के निर्माण, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। बदलते समय के साथ पुस्तकालयों का स्वरूप भले ही बदल रहा हो, लेकिन उनका महत्व और उद्देश्य पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। डॉ. सुखदेव सिंह ने प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया, डेटा एनालिसिस, एआई, हयूमन इंटेलिजेंस सहित पुस्ताकलयों के महत्व और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. राज कुमार ने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर अपने विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र में कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग, कॉन्फ्रेंस स्मारिका तथा एएसएलआईपी कैलेंडर का भी विमोचन किया गया।

कॉन्क्लेव में हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सीमा परमार ने कार्यक्रम में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि डॉ. कनिका रानी ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा मेल ब्यूरो	08.01.2026	--	--

ताकत का सकारात्मक इस्तेमाल जरूरी

हकृवि में दो दिवसीय ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव शुरू

हरियाणा मेल ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंसः बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ए.एस.एल.आई. पी. कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव के उदघाटन सत्र के दौरान वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, महाराष्ट्र के कुलपति प्रो इन्द्र मणी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह व ए.एस. एल.आई.पी. के सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी, आईटी एवं उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। प्रो. इन्द्र मणी ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्या का स्वरूप बदल गया है। जो भारतीय स्वरूप विद्या का है, वही सही विद्या है। विद्या विनम्रता देती है, अगर आप विनम्र नहीं है तो आप विद्वान हो सकते हैं विद्यावान नहीं। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपने जीवन में अपने काम से जाना जाता है, नाम से नहीं। व्यक्ति में तीन तरह की समर्थता होती है जिनमें विद्या, धन और ताकत शामिल हैं। व्यक्ति को विद्या ज्ञान बांटने के लिए, धन दान करने के लिए तथा ताकत अच्छे कार्यों पर लगानी चाहिए। वर्तमान डिजिटल युग में पुस्तकालय केवल सूचना के भण्डार नहीं बल्कि ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र बनते जा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	09.01.2026	--	--

हकृवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव-2025 का हुआ शुभारंभ

कॉन्क्लेव को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. इन्द्र मणी।

- **विद्या विनम्रता देती है, ज्ञान बांटने से बढ़ता है समाज : प्रो. इन्द्र मणी**

हिसार (सच कहूँ/मांगे लाल)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स (एएसएलआईपी) के सहयोग से कोलैबेरेटिव इंटेलिजेंसः बिल्डिंग स्मार्ट लाइब्रेरीज टुगेदर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी (महाराष्ट्र) के कुलपति प्रो. इन्द्र मणी मुख्य अतिथि रहे। प्रो. इन्द्र मणी ने कहा कि विद्या, धन और ताकत का सकारात्मक उपयोग समाज निर्माण के लिए होना चाहिए। विद्या ज्ञान बांटने, धन दान करने और ताकत अच्छे कार्यों में लगाने से ही व्यक्ति और समाज का विकास होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में पुस्तकालय केवल पुस्तकों के भंडार नहीं, बल्कि ज्ञान सृजन, शोध, नवाचार और सहयोग के केंद्र बन चुके हैं। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग, स्मारिका और एएसएलआईपी कैलेंडर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए। हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के. पटेरिया ने स्वागत भाषण दिया तथा डॉ. सीमा परमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	08.01.2026	--	--

जीवन में विद्या, धन और ताकत का सकारात्मक प्रयोग जरूरी : प्रो. मणी

हकृवि में दो दिवसीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव शुरू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंस बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव के उदघाटन सत्र के दौरान वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, महाराष्ट्र के कुलपति प्रो इन्द्र मणी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह व ए.एस.एल.आई.पी. के सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी, आईटी एवं उद्योग क्षेत्र के

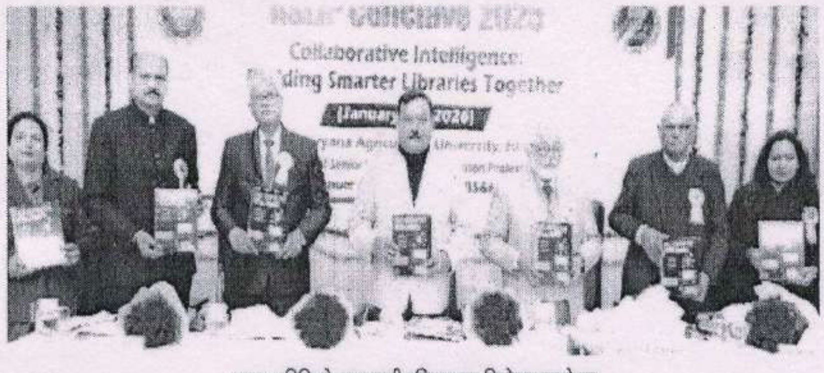

मुख्य अतिथि प्रो. इन्द्र मणी पुस्तिका का विमोचन करते हुए

प्रतिनिधि शामिल हैं।

प्रो. इन्द्र मणी ने कहा कि विद्या का स्वरूप बदल गया है। जो भारतीय स्वरूप विद्या का है, वही सही विद्या है। विद्या विनम्रता देती है, अगर आप विनम्र नहीं है तो आप विद्वान हो सकते हैं विद्यावान नहीं। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपने जीवन में अपने काम से जाना जाता है, नाम से नहीं। व्यक्ति में तीन तरह की समर्थता होती है जिनमें विद्या, धन और ताकत शामिल है। व्यक्ति को विद्या ज्ञान बांटने के लिए, धन दान करने के लिए तथा ताकत अच्छे कार्यों पर लगानी चाहिए। वर्तमान डिजिटल युग में पुस्तकालय केवल सूचना के भण्डार नहीं बल्कि ज्ञान सृजन, नवाचार और सहयोग के केंद्र बनते जा रहे हैं। स्मार्ट पुस्तकालयों के निर्माण के लिए सहयोगात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय अब केवल पुस्तकालयों के संग्रह तक सीमित नहीं रहें हैं बल्कि वे ज्ञान, सूचना,शोध और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित हो चुके हैं। समाज के बौद्धिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास में पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ. आरपी कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय समाज की बौद्धिक रीढ़ है। ये केवल जानकारी प्रदान नहीं करते, बल्कि ज्ञान के निर्माण, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। बदलते समय के साथ पुस्तकालयों का स्वरूप भले ही बदल रहा हो, लेकिन उनका महत्व और उद्देश्य पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। डॉ. सुखदेव सिंह ने प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया, डेटा एनालिसिस, एआइ, हयूमन इंटेलिजेंस सहित पुस्ताकलयों के महत्व और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. राज कुमार ने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर अपने विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र में कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग, कॉन्फ्रेंस स्मारिका तथा एएसलआईपी कैलेंडर का भी विमोचन किया गया।

कॉन्क्लेव में हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सीमा परमार ने कार्यक्रम में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि डॉ. कनिका रानी ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	9-1-26	9	5-8

हकृवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा कल, तैयारियां पूरी

- परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर किए गए अपलोड

हरिभूमि न्यूज ⏩ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए 10 जनवरी को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में होगी। विश्वविद्यालय की ओर से उपरोक्त परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी प्रवेश-पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिन संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिला करने जा रहा है उनमें कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फलोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरेस्ट्री, प्लांट पेथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपिरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर साइंस, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायोकेमस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, जुलोजी, व फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाकल्चर, एक्वाटिक एनिमल हेल्थ मैनेजमेंट, एक्वाटिक एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट, फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, फिशरीज इकोनॉमिक्स, फिशरीज एक्सटेंशन, व फिशरीज रिसोर्स मैनेजमेंट तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, मोलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी व बायोइन्फर्मेटिक्स विषय शामिल हैं।

हिसार। विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयंती द्वार। *फोटो : हरिभूमि*

कड़ी निगरानी में होगी परीक्षा

हकृवि के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में परिक्षार्थियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलैक्ट्रॉनिक डायरी जैसे इलैक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। इन उपकरणों को उन्हें परीक्षा केन्द्र के बाहर छोड़ना होगा, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेवारी उम्मीदवारों की ही होगी। प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं तथा उम्मीदवारों को अपना एडमिट कार्ड डाऊनलोड करके साथ लाना होगा। बिना एडमिट कार्ड के वे परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं पा सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-1-26	4	3-4

हकृवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा 10 को, सभी तैयारियां पूरी

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए 10 जनवरी होने वाली प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी हो गई है। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में होगी। विश्वविद्यालय की ओर से उपरोक्त परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी प्रवेश-पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। प्रवेश परीक्षा का समय प्रातः 10 से 12:30 बजे तक होगा। उम्मीदवारों को परीक्षा आरंभ होने के एक घंटा पूर्व (9 बजे तक) अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिन संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिला करने जा रहा है। उनमें कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलाजी, एग्रोनामी, फ्रूट साइंस, फलोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलाजी, इंटोमोलाजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरस्ट्री, प्लांट पेथोलाजी, सीड साइंस एंड टेक्नोलाजी, सायल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट में परीक्षा होगी। इसके अलावा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सायल एंड वाटर कंजर्वेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपिरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज में परीक्षा होगी।

निरीक्षण दलों का किया गठन : डा. पवन कुमार

हकृवि के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डा. पवन कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में परिक्षार्थियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलेक्ट्रानिक डायरी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। बिना एडमिट कार्ड के वे परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं पा सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-1-26	5	6

एचएयू में पीएचडी प्रवेश परीक्षा कल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शनिवार को परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में होगी और इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सुबह 10 से 12:30 बजे तक होगी परीक्षा

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, सामुदायिक विज्ञान, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान और बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों में पीएचडी में दाखिले होंगे। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि परीक्षा में कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र में प्रतिबंधित रहेंगे। प्रत्येक अभ्यर्थी की फोटोग्राफी की जाएगी। प्रवेश परीक्षा का समय सुबह 10 से 12:30 बजे तक रहेगा, जबकि अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे तक परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा।

एडमिट कार्ड विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in व admissions.hau.ac.in पर उपलब्ध हैं। बिना एडमिट कार्ड प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	9-1-26	8	7-8

हकृवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा कल

हिसार, 8 जनवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में विभिन्न संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए 10 जनवरी को प्रस्तावित प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विश्वविद्यालय की ओर से प्रवेश-पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिन संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिला करने जा रहा है उनमें कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स समेत कई विषय शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-1-26	4	5-6

हकृवि में पी.एच.डी. प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी, कल होगी परीक्षा

प्रवेश परीक्षा में परीक्षार्थियों पर रहेगी कड़ी निगरानी, विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया

हिसार, 8 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों में पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए 10 जनवरी को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में होगी। विश्वविद्यालय की ओर से उपरोक्त परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी प्रवेश-पत्र भी जारी किए जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिन संकायों में पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में दाखिला करने जा रहा है उनमें कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फलोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरेस्ट्री, प्लांट पेथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट (द्वठु वहह्हदह्डुद), कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग सहित अन्य विषय शामिल हैं।

हकृवि के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में परीक्षार्थियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलैक्ट्रॉनिक डायरी जैसे इलैक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रवेश परीक्षा का समय प्रातः 10 से 12:30 बजे तक होगा परंतु उम्मीदवारों को परीक्षा आरंभ होने के एक घण्टा पूर्व (9 बजे तक) अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-1-26	4	1-2

हकृवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा कल

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में विभिन्न विषयों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 10 जनवरी को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से प्रवेश परीक्षा के लिए आवश्यक एडमिट कार्ड भी जारी कर दिए गए हैं, जिन्हें उम्मीदवार वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों और संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश किया जाएगा। कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रोनॉमी, हॉर्टीकल्चर, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सॉयल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट सहित कई विषयों में प्रवेश होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा मेल ब्यूरो	08.01.2026	--	--

हकृवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी, 10 जनवरी को होगी परीक्षा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए 10 जनवरी को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में होगी। विश्वविद्यालय की ओर से उपरोक्त परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी प्रवेश-पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। हकृवि के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में परिक्षार्थियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलैक्ट्रॉनिक डायरी जैसे इलैक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। इन उपकरणों को उन्हें परीक्षा केन्द्र के बाहर छोडना होगा, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेवारी उम्मीदवारों की ही होगी।